गौतमबुद्ध नगर की सड़कों पर उतारी जाएंगी 500 ई-बसें

सेक्टर 82 स्थित सिटी बस टर्मिनल ● जागरण आर्काइव

300
नोएडा में, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में चलेंगी 100-100 ई-बसें

जागरण संवाददाता, नोएडा : जिले में सिटी बस के रूप में 500 ई-बसें चलेंगी। ये बसें 25 रूट पर 10 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। बसों का संचालन सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मोड पर होगा। इनमें 300 ई-बसें नोएडा, 100 ई-बसें ग्रेटर नोएडा और 100 ई-बसें यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में संचालित होंगी। वायबिलिटी गैप फंड (वीजीएफ) के रूप में 224 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तीनों प्राधिकरण को खर्च करना होगा। नोएडा के खाते में प्रतिवर्ष 107 करोड़ रुपये का भार आएगा।

नोएडा प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने बताया कि जीसीसी मोड पर संचालन के दौरान संभावित आपरेटिंग कास्ट 72.65 रुपये प्रति किलोमीटर होगी। हर बस को रोज 200 किमी का भुगतान होगा। सालाना 72 हजार किमी के हिसाब से हर बस का भुगतान होगा। इसमें 13 रूट पर नोएडा, नौ रूट ग्रेटर नोएडा व दो रूट पर यमुना क्षेत्र में ई-बसें को चलाना तय है। इन ई-बसों का संचालन सुबह 6.30 से रात 11 बजे तक होगा। इन सभी

- **224 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तीनों प्राधिकरण को खर्च करना होगा**
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर नोएडा का, ग्रेनो व यमुना प्राधिकरण बनाएंगे डिपो**

500 ई-बसों की खरीदारी एक ही फेज में होगी। इसके लिए रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) जारी होगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यीडा के बीच स्पेशल पर्पज व्हिकल (एसपीवी) का गठन 48 प्रतिशत, 26 प्रतिशत व 26 प्रतिशत के इक्विटी योगदान के साथ होगा। इन ई-बसों का संचालन शुरुआत में सेक्टर-82 व सेक्टर-91 में मौजूद बस टर्मिनल से होगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम नोएडा प्राधिकरण करेगा। ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण 20-20 करोड़ खर्च कर डिपो बनाएंगे। यहां संचालित सभी बस 12 मीटर व नौ मीटर लंबी होंगी। अनुबंधित कंपनी का कांट्रैक्ट 12 वर्ष का होगा और 675 करोड़ रुपये उसे खर्च करने होंगे। इसमें ई-बस की खरीद, फास्ट चार्जिंग प्लांट, स्टालेशन समेत अन्य टूल्स शामिल होंगे।